



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



मं० 171]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 4, 1979/ज्येष्ठ 14, 1901

No. 171]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 4, 1979/JYAISTHA 14, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

परिशिष्ट

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जून, 1979

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा० का० नि० 346 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 178/67-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जून, 1977 को अधिकांश करते हुए, ऐसे सभी उत्पाद शुल्क्य माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त माल" कहा गया है), जिस पर उत्पाद शुल्क उद्ग्रहणीय है और जिसके विनिर्माण में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 68 के अन्तर्गत आने वाले किसी माल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् "आगत" कहा गया है) उपयोग किया गया है, उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से, जितना आगत पर पहले ही संवत् उत्पाद-शुल्क के सम-तुल्य है, छूट देती है :

परन्तु यह तब जब इस अधिसूचना के परिशिष्ट में दी गई प्रक्रिया अपनाई जाए :

परन्तु यह और कि इस अधिसूचना की कोई भी बात उक्त माल को, जिसे उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त है या जिस पर किसी भी दर से शुल्क प्रभाव नहीं है, लागू नहीं होगी ।

1. उक्त माल का विनिर्माण, अपने कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधीक्षक को, अपने कारखाने में विनिर्माण के लिए आशयित उक्त माल का पूर्ण वर्णन और उक्त प्रत्येक माल के, विनिर्माण में प्रयोग किए जाने के लिए आशयित आगतों का वर्णन उप-बंशित करते हुए, एक घोषणा देगा ।

2. विनिर्माता, ऐसे आगतों पर जो घोषणा प्रस्तुत करने के पश्चात् उसके द्वारा प्राप्त किए जाएं, पहले ही संवत् शुल्क का मुजरा ले सकेगा और ऐसे माल पर उत्पाद-शुल्क के संदाय के लिए ऐसे मुजरा का उपयोग कर सकेगा ।

3. यदि आगतों पर (जिन पर मुजरा लिया गया है) संवत् शुल्क में तत्पश्चात् किसी कारणवश परिवर्तन किया जाता है, जिसके परिणाम-स्वरूप आगतों के विनिर्माता को प्रतिदाय का संदाय करना पड़ता है या उससे और शुल्क की वसूली करनी पड़ती है तो लिए गए मुजरे में इस परिशिष्ट के पैरा 5 के अधीन रखे गए खाते में या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 9 के उपनियम (3) या नियम 173 ब के उपनियम (1) के अधीन रखे गए बालू खाते में समायोजन करके या यदि ऐसा समायोजन किसी कारणवश संभव नहीं है, तो उक्त माल के विनिर्माता से, यथास्थिति, नकद वसूली करके या उसे प्रतिदाय करके तबनुसार परिवर्तन किया जाएगा ।

4. यदि आगतों पर संवत् शुल्क का मुजरा गलती से ले लिया गया है तो, इस प्रकार लिया गया मुजरा उचित अधिकारी द्वारा अननुज्ञात किया जा सकेगा और इस प्रकार अननुज्ञात रकम, जमा-खाते या बालू

खाने में समायोजित की जाएगी या यावत् ऐसा समायोजन किसी कारणवश संभव नहीं है, तो उक्त माल के विनिर्माता से नकद बसूली करके, समायोजन किया जाएगा।

5. उक्त माल का विनिर्माता :—

(क) आगतों की प्राप्ति के समय उचित अधिकारी को उपस्थित होने में समर्थ बनाने के लिए अपने कारखाने में उत्पाद-शुल्क संदत्त आगतों की प्राप्ति से पूर्व उचित अधिकारी को पूर्व सूचना देगा :

परन्तु इस खण्ड के उपबंध ऐसे विनिर्माण के मामले में लागू नहीं होंगे जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 7क से नियंत्रित होता है ;

(ख) आगतों की मूल पैकिंग में ऐसे प्रवेश पत्र या ऐसी अन्य दस्तावेज के अधीन, जिसे केन्द्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 का 54) के अधीन इस निमित्त गठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड अनुमोदित करे कारखाने में लाएगा।

(ग) आगतों को, जब वे कारखाने में लाए जाएं, उचित अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेगा जिससे कि ऐसा अधिकारी उन आगतों की पहचान कर सके और उनकी वास्तविक मात्रा को सत्यापित कर सके—

परन्तु केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 7क द्वारा नियंत्रित विनिर्माता खण्ड (ग) का अनुपालन करने की बजाय उत्पाद-शुल्क संदत्त आगतों के प्रत्येक परेक्षण की प्राप्ति के चौबीस घंटे के भीतर उसके प्राप्त होने की बाबत समुचित अधिकारी को समुचित प्रत्येक में लिखित सूचना देगा, जिससे :—

(1) अध्याय 7क के नियम 173क के परन्तुक के अधीन घोषित माल की दशा में समुचित अधिकारी, यदि वह आवश्यक समझे आगतों की पहचान और उनकी वास्तविक मात्रा का सत्यापन कर सके ; और

(2) घोषित माल के भिन्न माल की दशा में समुचित अधिकारी सूचना की प्राप्ति से अड़तालीस घंटे के भीतर आगतों की पहचान और उसकी वास्तविक मात्रा का सत्यापन कर सके।

(घ) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के परिशिष्ट 1 में प्ररूप आर० जी०-23 के भाग I और II में लेखा रखेगा।

(ङ) उक्त माल पर संदेय शुल्क की बाबत, किसी भी समय निकासी किए जा सकने वाले उक्त माल पर उद्ग्रहणीय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को पूरा करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर के पास पर्याप्त जमा अतिशेष सहित चालू खाता रखेगा :

6. ऐसे किन्हीं आगतों को जिसकी बाबत मुजरा लिया गया है, सम्बद्ध कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधीक्षक के पूर्वानुमोदन से,—

(क) बंधपत्र के अधीन या शुल्क का संदाय करके निर्यात के लिए हटाया जा सकेगा ; या

(ख) शुल्क का संदाय करके घरेलू उपयोग के लिए या मरम्मत के लिए हटाया जा सकेगा।

7. ऐसी विनिर्माण प्रक्रिया से, जिसके लिए वे आगत जिनकी बाबत मुजरा लिया गया है, विनिर्माता के कारखाने में लगाए जाते हैं, उद्भूत अवशिष्ट को—

(क) शुल्क का संदाय करके हटाया जाएगा, या

(ख) जहां वह अवशिष्ट के ऐसे वर्ग या प्रवर्ग का है जिसे केन्द्रीय सरकार समय-समय पर आदेश द्वारा उम प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट करे, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 10 के अधीन प्रक्रिया का अनुसरण करते हुए, उम वर्ग या प्रवर्ग के माल के विनिर्माण में उपयोग में लाए जाने के लिए, शुल्क का संदाय किए बिना, उक्त कारखाने से हटाया जाएगा जो उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट किया जाए ; या

(ग) विनिर्माता द्वारा आवेदन किए जाने पर, और यदि आगे उपयोग के लिए अनुपयुक्त पाया जाता है या वह शुल्क देने के लायक नहीं है तो उम पर संदेय शुल्क से छूट देकर, समुचित अधिकारी की उपस्थिति में उसे नष्ट कर दिया जाएगा :

परन्तु ऐसे अवशिष्ट को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 7क द्वारा शासित विनिर्माता, समुचित अधिकारी को, ऐसे अवशिष्ट की मात्रा और उसे नष्ट करने की प्रस्तावित तारीख की कम से कम सात दिन पूर्व लिखित सूचना देने के पश्चात् और ऐसी शर्तों को पूरा करने के पश्चात् नष्ट कर सकेगा जैसा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर ऐसे अवशिष्ट के व्ययन की रीति के संबंध में साधारण या विशेष आदेश द्वारा विहित करें।

8. यदि किसी आगत के संबंध में जिसकी बाबत मुजरा लिया गया है, इस बाबत कि उसका हममें विनिर्दिष्ट रीति में व्ययन कर दिया गया है, सम्यक् रूप में लेखा नहीं रखा जाता है तो विनिर्माता समुचित अधिकारी द्वारा लिखित मांग की जाने पर, ऐसी मांग की सूचना की प्राप्ति से 10 दिन के भीतर ऐसे आगत पर उद्ग्रहणीय शुल्क का संदाय करेगा।

9. (क) किन्हीं आगतों की बाबत शुल्क में किए गए मुजरा का उपयोग उक्त किसी माल पर शुल्क के संदाय में किया जा सकेगा जिसके विनिर्माण के लिए विनिर्माता द्वारा यह घोषणा की गई थी कि ऐसी आगतों को कारखाने में लाया जाएगा या जहां ऐसे आगतों की कारखाने से इस रूप में निकासी की जाती है वहां ऐसे आगतों पर।

(ख) ऐसी मुजरा की गई राशि का कोई भी भाग उपखंड (क) में उपबंधित के सिवाय उपयोग में नहीं लाया जाएगा या उसका प्रतिदाय नकद या बैंक द्वारा नहीं किया जायगा।

10. (क) यदि विनिर्माता इस अधिसूचना में वर्णित छूट लेना जारी नहीं रखना चाहता है तो वह ऐसा करने के अपने आशय की सूचना सात दिन पूर्व समुचित अधिकारी को देगा।

(ख) समुचित अधिकारी ऐसी सूचना की प्राप्ति पर, उन आगतों के भण्डार को अभिविधित करेगा जिनके बारे में मुजरा लिया गया है, और

(1) जो विनिर्माता के पास, भण्डारगृह में या विनिर्माण कक्ष में पड़े हैं, और

(2) जिनका उक्त माल के विनिर्माण में उपयोग किया गया है किन्तु ऐसा माल कारखाने से अभी तक हटाया नहीं गया है।

(ग) इस प्रकार अभिविधित कुल भण्डार पर शुल्क का निर्धारण किया जाएगा और विनिर्माता समुचित अधिकारी से लिखित मांग प्राप्त होने पर, शुल्क का तुरन्त संदाय करेगा।

11. उक्त माल के विनिर्माता से आवेदन प्राप्त होने पर, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर विनिर्माता को केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के प्ररूप ब०छ० 23 में अपने खाते में जमा अग्रयुक्त रकम को या ऐं

आगतों के भण्डार को या प्रक्रियागत आगतों को निम्नलिखित मई अंतरित करने की अनुज्ञा दे सकेगा, अर्थात्:—

- (1) विनिर्माता के मयंत्र या कारखाने को किसी अन्य स्थान पर अन्तरण;
- (2) कारखाने का किसी अन्य कारखाने में बिलय, और
- (3) विनिर्माता के वास्तविकता का किसी अन्य विनिर्माता के कारखाने में अन्तरण;

परन्तु यह तब जब कि विनिर्माता इस अधिसूचना के अधीन दी गई छूट का उपयोग उस कारखाने की बाबत कर रहा है जिसे खाता या स्टॉक अन्तरित किया गया है।

[अधिसूचना नं० 201/79 के० उ० गृ० फा० सं० 223/22/78 के० उ० गृ० 6]

के०डी० नायन, श्वर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th June, 1979

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 346(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 178/77-Central Excises, dated the 18th June, 1977, the Central Government hereby exempts all excisable goods (hereinafter referred to as "the said goods"), on which the duty of excise is leviable and in the manufacture of which any goods falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as "the inputs") have been used, from so much of the duty of excise leviable thereon as is equivalent to the duty of excise already paid on the inputs.

Provided that the procedure set out in the Appendix to this notification is followed:

Provided further that nothing contained in this notification shall apply to the said goods which are exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon or are chargeable to nil rate of duty.

APPENDIX

1. A manufacturer of the said goods shall give a declaration to the Superintendent of Central Excise having jurisdiction over his factory, indicating the full description of the said goods intended to be manufactured in his factory and the full description of the inputs intended to be used in the manufacture of each of the said goods.

2. A manufacturer may take credit of the duty already paid on the inputs which are received by him after submitting the declaration, and utilise such credit for payment of duty of excise on the said goods.

3. If the duty paid on the inputs (on which credit has been taken) is varied subsequently due to any reason resulting in payment of refund to, or recovery of more duty from, the manufacturer of the inputs, the credit taken shall be varied accordingly by adjustment in the credit account maintained under paragraph 5 of this Appendix or in the account-current maintained under sub-rule (1) of rule 9, or sub-rule (1) of rule 173-G, of the Central Excise Rules, 1944 or, if such adjustment be not possible for any reason, by refund to, or, as the case may be, cash recovery from, the manufacturer of the said goods.

4. If the credit of duty paid on inputs has been taken wrongly, the credit so taken may be disallowed by the proper officer and the amount so disallowed shall be adjusted in the credit account or the account-current or if such adjustment is not possible for any reason, by a cash recovery from the manufacturer of the said goods.

5. A manufacturer of the said goods shall —

- (a) give prior notice to the proper officer before the excise duty-paid inputs are received in his factory to enable the proper officer to be present at the time of the receipt of the inputs;

Provided that the provisions of this clause shall not be applicable in the case of a manufacturer governed by Chapter VIIA of the Central Excise Rules, 1944;

- (b) bring to the factory the inputs in original packing under the cover of gate-pass or such other document as may be approved in this behalf by the Central Board of Excise and Customs, constituted under the Central Boards of Revenue Act, 1963 (54 of 1963), evidencing the payment of excise duty;

- (c) produce the inputs when brought to the factory before the proper officer to enable him to identify the inputs and verify the actual quantity thereof;

Provided that a manufacturer governed by Chapter VIIA of the Central Excise Rules, 1944, shall, instead of complying with clause (c), inform the proper officer in writing in the proper form regarding receipt of each consignment of excise duty paid inputs within twenty-four hours of its receipt —

- (i) in the case of goods declared under the proviso to rule 173A of the said Chapter VIIA, to enable the proper officer, if he deems it necessary, to identify the inputs and verify the actual quantity thereof; and

- (ii) in the case of goods other than declared goods, to enable the proper officer to identify the inputs and verify the actual quantity thereof within forty-eight hours of receipt of the information.

- (d) maintain an account in Parts I and II of Form R.G. 23 in Appendix I to the Central Excise Rules, 1944;

- (e) maintain in respect of the duty payable on the said goods an account-current with the Collector of Central Excise with adequate credit balance to cover payment of Central Excise duty leviable on the said goods cleared at any time;

6. Any inputs in respect of which credit has been taken may, with the prior approval of the Superintendent of Central Excise having jurisdiction over the factory concerned,—

- (a) be removed for export under bond or on payment of duty, or
- (b) be removed on payment of duty for home consumption or for repairs.

7. Any waste, arising from the process of manufacture to which the inputs in respect of which credit has been taken may be subjected in the manufacturer's factory shall,—

- (a) be removed on payment of duty; or
- (b) where it belongs to such class or category of waste as the Central Government may, from time to time, by order specify for the purpose, be removed from the said factory without payment of duty, for being used in the manufacture of the class or category of goods as may be specified in the said order, subject to the procedure under Chapter X of the Central Excise Rules, 1944, being followed, or

- (c) an application by the manufacturer and if found unfit for further use or not worth the duty payable thereon, be destroyed in the presence of the proper officer, the duty payable thereon being remitted :

Provided that such waste may be destroyed by the manufacturer governed by Chapter VII-A of the Central Excise Rules, 1944, after informing the proper officer in writing regarding the quantity of such waste and the date on which he proposes to destroy it at least seven days in advance and after observing all such conditions as may be prescribed by the Collector of Central Excise by a general or special order with regard to the manner of disposal of such waste.

8. If any inputs in respect of which credit has been taken are not duly accounted for as having been disposed of in the manner specified herein, the manufacturer shall, upon a written demand being made by the proper officer, pay the duty leviable on such inputs within ten days of the notice of demand.

9. (a) The credit of duty taken in respect of any inputs may be utilised towards payment of duty on any said goods for the manufacture of which such inputs were declared by the manufacturer to be brought into the factory, or where such inputs are cleared from the factory as such, on such inputs.

- (b) No part of such credit shall be utilised save as provided in clause (a) or shall be refunded in cash or by cheque.

10. (a) If the manufacturer desires to discontinue availing of the exemption contained in this notification, he shall give to the proper officer seven days advance notice of his intention to do so.

- (b) The proper officer shall, on receipt of such notice, ascertain the stock of the inputs in respect of which credit has been taken and which —

- (i) are lying with the manufacturer, whether in the store-room or in the manufacturing room, and,

- (ii) have been utilised in the manufacture of the said goods but such goods have not yet been removed from the factory.

- (c) The total stock of inputs so ascertained shall be assessed to duty and the manufacturer shall pay the duty forthwith on receipt of a written demand from the proper officer.

11. On an application from the manufacturer of the said goods, the Collector of Central Excise may permit a manufacturer to transfer the unutilised credit in his account in Form R.G. 23 in Appendix I to the Central Excise Rules, 1944 or the stock of the inputs as such or in process on account of—

- (i) shifting of the plant or factory, belonging to the manufacturer to another site ;

- (ii) merger of the factory with another factory ;

- (iii) transfer of business of the manufacturer to another manufacturer ;

Provided that manufacturer in availing of the exemption granted under this notification in respect of the factory to which the credit or stock is transferred.

[Notification No. 201/79-C.E. No. 223/22/78-CX-6]

K. D. TAYAL, Under Secy.